

यात्री और माल यातायात से अजित अनुमानित राजस्व नीचे दिया गया है :—

स्वैचाल का नाम	1969-70	
	यात्री	माल
	रु०	रु०
खंडवा	30,69,000	26,76,000
बुरहानपुर	11,29,000	9,12,000

Production of Engineering Goods in West Bengal

6079. SHRI RAJDEO SINGH : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether the output of Engineering goods, which suffered a setback during the United Front regime, has now picked up in West Bengal ; and

(b) if so, the rate of progress of production ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (SHRI GHANSHYAM OZA) : (a) and (b). Production figures of engineering industries for the period when the United Front was in office in West Bengal are not separately available. These figures are maintained calendar year wise. It is, therefore, not possible to make a comparison of the figures of production for the period when the United Front Government was in office with that of any subsequent period.

However, production of the following items has shown an increase in the calendar year 1970 :

- (i) Transformers
- (ii) VIR and PVC Cables
- (iii) Machine Tools
- (iv) Reamers

- (v) Milling Cutters
- (vi) Automobiles
- (vii) Power Driven Pumps
- (viii) Electric Lamps
- (ix) Storage Batteries
- (x) Radio Receivers
- (xi) Conduit Pipes
- (xii) Bicycle Complete
- (xiii) Aluminium Sheets, Circles, Strips and Slugs.
- (xiv) Steel Castings.

अतिरिक्त भूमि की सिंचाई के लिए योजना

6080. श्री नरेन्द्र सिंह : क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग के अनुसार आगामी सात वर्षों में 1981 तक 16 करोड़ मीट्रिक टन खाद्यान्न के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के हेतु 2.9 करोड़ एकड़ अतिरिक्त भूमि में सिंचाई करने के लिए 2350 करोड़ रुपये परिष्यय वाली योजना को आरम्भ करना आवश्यक होगा ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री बंजनाथ कुरील) : (क) केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग द्वारा किए गए प्रारम्भिक अध्ययन से यह पता चलता है कि देश में अनाज के उत्पादन को 16 करोड़ मीट्रिक टन तक बढ़ाने के कार्य में योगदान करने के लिए 1971-81 दशक के दौरान बृहत् और मध्यम क्षेत्रों में 283 लाख एकड़ और भूमि की सिंचाई के लिए 3000 करोड़ रुपये से भी अधिक व्यय की आवश्यकता है।

(ख) दशक के दौरान कार्यान्वयन की विस्तृत योजनाएँ धन की उपलब्धता के आधार पर तैयार की जाएगी।